

SEPTEMBER MONTH

पाठ - हँसना बुरा नहीं
गोलडी और सतरंगी झील
कविता - लड़कू सा मूवज

हँसना बुरा नहीं

I शब्दार्थ (अंग्रेजी)

P.No. 22

II हिंदी शब्दार्थ

P.No. 23, 24, 25

III प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क. चित्रा हर बात पर हँसती थी।
चित्रा को

- ख. *
- * मोटा पेट देखकर
 - * गुदगुदी करने पर
 - * फिसलकर गिरते हुए
 - * छटकुला सुनकर , हँसी आती थी।

ग. भाई ने कहा कि जब किसी को कुछ मज़ेदार लगता है तो वह हँसता है। कुछ लोग कम हँसते हैं और कुछ ज्यादा।

घ. हँसना सेहत के लिए अच्छा होता है।

वाक्य प्रयोग

वैज्ञानिक - के. टी. राजन एक वैज्ञानिक हैं

शिक्षिका - मेरी शिक्षिका का नाम - ... है।

चुटकुला - चुटकुला सुनकर सभी को
हँसी आती है।

पाठशाला - हम पाठशाला में कई
विषय पढ़ते हैं।

6. क. की
ख. कि
ग. की
घ. कि

7. हँसती थी - भूतकाल
खिला रही है - वर्तमान काल
चलूँगा - भविष्य काल
पढ़ा रही थी - भूत काल

गौलडी और सतरंगी झील

I शीर्षक P.No. 36, 37, 38

1. क. सुनहरी
ख. प्लास्टिक की बोतल
ग. इनसाने ने
घ. कूदने लगे

2. अन्य मछली कोई हमारे घर को
कछुआ बुझसान पहुँचा रहा है
हमारा घर गंदा
हो रहा है

महिला हमें इसे साफ करने
की जरूरत है
गौलडी अब हमारी झील गंदा
हो जाएगी

ब. मछली , सतरंगी झील , साक , मुस्कान ,
खेलना और तैरना

4. क. गोलडी अपने दोस्तों के साथ
सतरंगी झील में बहती थी।

ख. गोलडी और उसके दोस्त पानी
को प्रदूषित होते देखकर दुखी
हो गए।

ग. गोलडी और उसके दोस्त पानी
में ऊपर - नीचे इसलिए कूदने लगे
क्योंकि वे देखना चाहते थे कि पानी
को कौन प्रदूषित कर रहा है।

घ. पानी में कूदकर लोगों ने सारा
कचरा बकड़ा मिला और कूड़ेदान में
फेंक दिया।

5. क. गोलडी के चेहरे पर हमेशा मुस्कान
थी।

ख. अरे वाह ! झील फिर साफ और
सुंदर हो गई।

ग. गोलडी , कछुआ और अन्य
मछलियाँ झील में रहते थे।

घ. पानी प्रदूषित हो रहा है।

6. संज्ञा - गोलूडी, मछली, दीस्त
 त्वास्तिक, कप

सर्वनाम - वह, अपने, हमें,
 हमारा, उसके

7. त्वास्तिक - त्वास्तिक से खिलौना
 बनाते हैं।

झील - झील में मछलियाँ रहती हैं।

सुंदर - गोलूडी मछली बहुत सुंदर थी।

साक - नदी को साक रखना
 चाहिए।

लड्डू सा। सूरज

I शिष्या

P. no. 31 32 33

I.

P. no. 32

क. लड्डू

ख. कलियों ने

ग. गा रही हैं

घ. आलस बगाने को

1. ठठ जाओ सब चार बच्चो,
आलस दूर भागाओ।

चूँ-चूँ-चीं-चीं गीत गाकर
उड़ती-उड़ती चिड़ियाँ आई।

कलियों, अंगड़ाई, गीत,
उड़ती-उड़ती चिड़ियाँ आई।

4. क. सुबह का सूरज लड़कूँ जैसा
दिखा रहा था।

ख. सूरज के निकलने पर सभी काम में
लगा जाते हैं। कलियाँ खिल जाती हैं,
पक्षी उड़ने लगा जाते हैं।

ग. कवि बच्चों से आलस छोड़कर
उठने को कहते हैं और
पाठशाला जाने का संदेश देते हैं।

5. सूरज के आते ही कलियाँ खिल उठती
हैं। प्रकृति में परिवर्तन होता है।

6. गुलाब	बच्चा
लससी	चाय
आम	घोड़े
पेड़	कपड़े

7. सामान - बाजार से सामान खरीदो।
समान - सभी के साथ एक समान व्यवहार करना चाहिए।

दिन - आध्यात्मिक का दिन बहुत महत्वपूर्ण है।

दीन - दीन - दुखियों की सहायता करनी चाहिए।